



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

C. Rev.
10.1.85

सं० 439]
No. 439]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 14, 1984/कार्तिक 23, 1906
NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 14, 1984/KARTIKA 23, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1984

सं. 271/84-सीमाशुल्क

अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त
सीमा-शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन, छूट देती है :—

- (1) आयातकर्ता आयात के समय इस आशय की घोषणा करता है कि माल का आयात उन्हीं फिट करने के लिए और पुनः निर्यात करने के लिए किया गया है ;
- (2) इस प्रकार आयातित माल उस तारीख से जिसको ऐसा माल भारत में आयात किया जाता है एक माह के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करें, पुनः निर्यात किया जाएगा ;
- (3) आयातकर्ता एक वचनपत्र निष्पादित करता है जिसके द्वारा वह उस माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क के समतुल्य उसकी रकम का संभाल करने के लिए स्वयं को आबद्ध करता है जो यह छूट न होने पर, उक्त माल को विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, या ऊपर शर्त (2) में बढ़ाई गई अवधि के भीतर, पुनः निर्यात करने में असफल रहने की वशा में उद्ग्रहणीय होती, और

सा. का. नि. 762(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं. 188-सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976 को अधिष्ठांत करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकीहित में ऐसा करना आवश्यक है, एयर इंडिया इंटरनेशनल या इंडियन एयरलाइन्स द्वारा भारत में आयातित सभी विमान उपस्कर, इंजिनों और फालतू पुर्जों को (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् माल कहा गया है), जिन्हें उन्होंने अपने विमानों में लगाने के लिए भारत के बाहर की विदेशी एयर लाइनों से या प्राइम उपस्करों के विदेशी विनिर्माताओं से उधार लिया है, उन पर सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क से और उक्त सीमा-शुल्क

- (4) आयातकर्ता पुनः निर्यात करने के पूर्व माल को पहचान के लिए समुचित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करता है।

[फा. सं. 355/290/84-सी. शु. 1]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th November, 1984

No. 271/74-CUSTOMS

G.S.R. 762(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 188-Customs, dated the 2nd August, 1976, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all aircraft equipment, engines and spare parts (hereinafter referred to as the goods) imported into India by the Air India International or the Indian Airlines, having borrowed them for fitment to their aircraft from foreign airlines outside India or from the foreign manufacturers of the prime equipment from payment of the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and the whole of the additional duty of customs leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the conditions that :—

- (1) the importer makes a declaration at the time of import that the goods are being imported for fitment and re-export;
- (2) the goods so imported shall be re-exported within one month from the date on which such goods are imported into India or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow;
- (3) the importer executes an undertaking binding himself to pay an amount equal to the duty leviable on the goods, but for the exemption, in the event of failure to re-export the said goods within the period specified or as the case may be the extended period in condition (2) above, and
- (4) the importer produces the goods before the proper officer for identification before re-export.

[F. No. 355/290/84-Cus-I]

अधिसूचना

सं. 272/84-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 763(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1984 (1984 का 21) की धारा 36 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 131/84-सीमाशुल्क, तारीख 11 मई, 1984 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :—

- (क) क्रम सं. 59 और उससे संबंधित प्रविष्टि का जोप किया जाएगा ;
- (ख) क्रम सं. 227 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“228. सं. 271/84-सीमाशुल्क, तारीख 14 नवम्बर, 1984”।

[फा. सं. 355/290/84-सी. शु. 1]

एम. एन. बिस्वास, अवर सचिव

NOTIFICATION

No. 272/84-CUSTOMS

G.S.R. 763(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 36 of the Finance Act, 1984 (21 of 1984), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 131/84-Customs, dated the 11th May, 1984, namely :—

In the Schedule to the said notification—

- (a) Sl. No. 59 and the entry relating thereto shall be omitted;
- (b) after Sl. No. 227 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

“228. No. 271/84-Customs, dated the 14th November, 1984”.

[F. No. 355/290/84-CUS-I]
M. N. BISWAS, Under Secy.